Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	REMINGTON GAIL 4th Aug 2018 Shift1
Subject Name:	Remington GAIL
Creation Date:	2018-08-04 13:46:57
Duration:	25
Show Result On Console:	No
Actual Answer Key:	Yes
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	93249416
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	93249428
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	93249428
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 932494241 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था एक दिन उसने बारासिंघे का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता हुआ उसके गुणगान करने लगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted

Paragraph Display: Yes

Evaluation Mode: Non Standard

Keyboard Layout: Remington

Show Details Panel: Yes

Show Error Count: Yes

Highlight Correct or Incorrect Words: Yes

Allow Back Space: Yes

Show Back Space Count: Yes

Actual

Group Number :	2
Group Id :	93249417
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	93249429
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	93249429
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 932494242 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

विश्व बैंक और अंरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना 1944 में अमरीका के ब्रेटन वुड शहर में विश्व के नेताओं के एक सम्मेलन के दौरान हुई थी। ये दोनों संस्थाएं ब्रेटन वुड संस्था के नाम से भी जानी जाती हैं। दुसरे महायुद्ध के बाद अंतरराष्ट्रीय अर्थ व्यवस्थाओं को दोबारा पटरी पर लाने के लिए इन संस्थाओं का गठन किया गया था। मगर इन दोनों वित्तीय संस्थाओं की भूमिका अलग अलग रही है। विश्व बैंक ऋण देने वाली ऐक ऐसी संस्था है जिसका हेतु विभिन्न देशों की अर्थ व्यवस्थाओं को एक व्यापक विश्व अर्थ व्यवस्था में शामिल करना और विकासशील देशों में गरीबी उन्मूलन के प्रयास करना है। विश्व बैंक नीति सुधार कार्यक्रमों और परियोजनाओं के लिए ऋण देता है। मगर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष केवल नीति सुधार कार्यक्रमों के लिए ही ऋण देता है। इन दोनों संस्थाओं में एक फर्क ये भी है कि विश्व बैंक केवल विकासशील देशों को ऋण देता है जबकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के संसाधनों का इस्तेमाल निर्धन राष्ट्रों के साथ-साथ धनी देश भी कर सकते हैं। शुरूआत में विश्व बैंक बांध निर्माण और राजमार्ग के निर्माण जैसी विशिष्ट परियोजनाओं के लिए ऋण देता था। लेकिन अब इसने नीतियों में आम सुधारों के लिए भी ऋण देना शुरू कर दिया है। विश्व बैंक का नियंत्रण इसके 180 से ज्यादा सदस्य राष्ट्रों के हाथ में है। सदस्य राष्ट विश्व बैंक के शेयर धारक भी होते हैं और इसकी नीतियों संबंधी फैसले भी वही करते हैं। इन देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले गवर्नरों के बोर्ड ये फैसले करते हैं। विश्व बैंक के तहत पांच संस्थाएं काम करती हैं जिसमें अंतरराष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक प्रमुख है। विश्व बैंक विकास कार्यक्रमों के लिए आवश्यक धन दो तरीके से जुटाता है। इस धन का कुछ हिस्सा धनी देशों के योगदान के तहत आता है। वहीं अंतरराष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक वित्तीय बाजारों में शेयरों के व्यापार और निवेश के जरिए भी धन जुटाता है। दरअस्ल विश्व बैंक से दिए जाने वाले ऋण का आधे से अधिक हिस्सा इसी तरीके से जुटाया जाता है। गरीबों की सहायता विश्व बैंक का मुख्य हेतु है। विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष पर अक्सर ये आरोप भी लगते हैं कि इनके ऋण शर्त की जंजीर में बंधे होते हैं। वैश्वीकरण का विरोध करने वाले संगठनों का कहना है कि इन दोनों ही संस्थाओं ने धनी देशों के दबाव में आकर वैश्वीकरण को बढावा दिया है। कई वैश्वीकरण विरोधी कार्यकर्ता इन वित्तीय संस्थाओं पर आरोप लगाते रहे हैं कि ऋण की एवज में गरीब राष्ट्रों को धनी राष्ट्रों के उत्पादों के लिए अपने बाजार खोलने पर दबाव डाला जाता है। उनका कहना है कि आर्थिक सुधार कार्यक्रम के नाम पर वैश्वीकरण के इस रूप का गरीब राष्ट्रों की अर्थ व्यवस्था पर बुरा असर पडा है।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted

Paragraph Display: Yes

Evaluation Mode: Non Standard

Keyboard Layout: Remington

Show Details Panel: Yes

Show Error Count: Yes

Highlight Correct or Incorrect Words: Yes

Allow Back Space: Yes

Show Back Space Count: Yes